सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

G20 भारत 2023 INDIA

वसुधैव कुटुम्बकम्
ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

राष्ट्रीय जैविक संस्थान
NATIONAL INSTITUTE OF BIOLOGICALS

राष्ट्रीय जैविक संस्थान समाचार-पत्रक

अक्टूबर–दिसम्बर, 2022 अंक #4

एनआईबी ने भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यूसीआई) द्वारा स्थापित परीक्षण के क्षेत्र में प्रतिष्ठित प्रोफेसर एस.के. जोशी प्रयोगशाला उत्कृष्टता स्वर्ण पुरस्कार जीता है। क्यूसीआई द्वारा सितंबर, 2021 में शुरू किया गया यह देश का अपनी तरह का पहला प्रयोगशाला उत्कृष्टता पुरस्कार है। यह पुरस्कार उन प्रयोगशालाओं (परीक्षण, चिकित्सा और कैलिब्रेशन) को मान्यता देने के लिए है जिन्होंने गुणवत्ता सेवाओं के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियां प्राप्त की हैं और अपनी सर्वोत्तम पद्धतियों के लिए अपने क्षेत्र में बेंचमार्क स्थापित किया है।

निदेशक के पटल से

मैं आप सभी को नव वर्ष की शुभकामनाएं देता हूं और कामना करता हूं कि आपके और आपके प्रियजनों के लिए नव वर्ष खुशी, शांति, स्वास्थ्य और समृद्धि से भरपूर हो। पिछले कई वर्षों के दौरान एनआईबी में कई प्रगति और परिवर्तन हुए हैं, जो कि विशेष रूप से विश्वभर के जैविक हितधारकों के साथ संवाद करने की हमारी क्षमता में दर्ज किए गए हैं । यह समय रोमांचक है जो सहयोग, नेटवर्किंग और समर्थन के लिए नए अवसर उपलब्ध कराता है। जन स्वास्थ्य का समर्थन करने और भारतीय बाजार में स्वदेशी रूप से निर्मित और आयातित जैविक उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता में कोई बदलाव नहीं आया है, जो कि हमारे मिशन को पूरा करने में हमारी क्षमता का अधिकतम उपयोग करने में मदद करती है। मुझे यह बताते हुए बहुत गर्व हो रहा है कि एनआईबी ने 6 अक्टूबर 2022 को क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया (क्यूसीआई) द्वारा परीक्षण के क्षेत्र में स्थापित प्रथम प्रतिष्ठित प्रोफेसर एस.के. जोशी प्रयोगशाला उत्कृष्टता स्वर्ण पुरस्कार जीता है ।

जैविकों के गुणवत्ता नियंत्रण पर राष्ट्रीय कौशल विकास कार्यक्रम के तहत छात्रों को प्रशिक्षित करने की परंपरा को जारी रखते हुए, एनआईबी ने मणिपुर विश्वविद्यालय, मणिपुर के लगभग 21 पोस्ट–ग्रेजुएट छात्रों को प्रशिक्षित किया है । एनआईबी ने इस अवधि के दौरान विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्रों के लिए दो संरचित(स्ट्रक्चर्ड) प्रशिक्षण पाठ्यक्रम भी आयोजित किए।

आप सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं !!

डॉ अनूप अन्वीकर
निदेशक

इस अंक में शामिल सामग्री

03	रक्त दाता सतर्कता कार्यक्रम– भारतीय परिदृश्य
	प्रो. एस.के. जोशी प्रयोगशाला उत्कृष्टता स्वर्ण पुरस्कार
05	स्वैच्छिक रक्तदान, हीमोविजिलेंस और डोनर विजिलेंस पर राष्ट्रीय सम्मेलन और कार्यशाला का आयोजन
	लिंग संवेदीकरण और पॉश अधिनियम पर प्रशिक्षण
06	तकनीकी विशेषज्ञ समिति की बैठकें
	आमंत्रित चर्चा / व्याख्यान
07	प्रशिक्षण, कार्यशालाएं और दौरे
08	प्रकाशन

संपादकीय टीम

सुश्री वाई मधु संपादक	श्री जयपाल मीणा सह–संपादक	डॉ मंजुला किरण सह–संपादक	सुश्री अपूर्वा आनंद तलवार सह–संपादक

रक्त दाता सतर्कता कार्यक्रम– भारतीय परिदृश्य

डॉ. आकांक्षा बिष्ट, वैज्ञानिक ग्रेड–II

हीमोविजिलेंस रक्त ट्रांसफ्यूजन चेन की गुणवत्ता में सुधार लाने का एक माध्यम है, जिसमें मुख्य रूप से सुरक्षा पर फोकस किया जाता है। भारत के हीमोविजिलेंस कार्यक्रम (एचवीपीआई) को वर्ष 2012 से राष्ट्रीय जैविक संस्थान (एनआईबी), नोएडा, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के साथ राष्ट्रीय समन्वय केंद्र के रूप में कार्यान्वित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम रक्त ट्रांसफ्यूजन और रक्तदान से जुड़ी प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं को ट्रैक करता है। इस प्रणाली में ट्रांसफ्यूजन और रक्तदान से संबंधित प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं की निगरानी, रिपोर्टिंग जांच, पहचान और विश्लेषण शामिल हैं।

कार्यक्रम का उद्देश्य रोगियों द्वारा प्राप्त किए जाने वाले रक्त की सुरक्षा और गुणवत्ता में सुधार लाना है और हमारे देश में सुरक्षित रक्त ट्रांसफ्यूजन पद्धतियों में सुधार के लिए स्वैच्छिक रक्त दान को बढ़ावा देना है। एचवीपीआई की गतिविधियों का कार्यान्वयन और समन्वय एनआईबी की उप–विधियों के अनुसार संस्थान के दायित्वों में से एक है ।

एचवीपीआई के अनुसार, **नेशनल ब्लड डोनर विजिलेंस प्रोग्राम (एनबीडीवीपी)** 14 जून, 2015 को विश्व रक्त दाता दिवस पर साइंस सिटी कोलकाता, पश्चिम बंगाल, भारत में शुरू किया गया था। एनबीडीवीपी के उद्देश्य हैं: i) प्रतिकूल घटनाओं की निगरानी, विश्लेषण और शोध के माध्यम से दाता की सुरक्षा और संतुष्टि में सुधार करना, ii) जोखिम कारकों का विश्लेषण करना, निवारक उपायों को लागू करना और मूल्यांकन करना, iii) रक्तदान प्रक्रिया में सुधार के लिए साक्ष्य आधारित सहायता प्रदान करना, iv) प्रतिकूल घटनाओं की आवृत्ति को कम करना और v) रक्त दान फ्रिक्वेंसी में वृद्धि करना।

यह कार्यक्रम एनआईबी द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित हीमोविजिलेंस सॉफ्टवेयर के माध्यम से रक्त केंद्रों द्वारा ऑनलाइन प्रस्तुत की जा रही प्रतिक्रियाओं का विश्लेषण करता है (प्रतिकूल ट्रांसफ्यूजन प्रतिक्रियाओं की रिपोर्टिंग हीमो–विजिल सॉफ्टवेयर के माध्यम से ऑनलाइन की जाती है और प्रतिकूल रक्त दाता प्रतिक्रियाओं की रिपोर्टिंग एनआईबी वेबसाइट **www.nib.gov.in**) पर उपलब्ध डोनर–विजिल सॉफ्टवेयर के माध्यम से की जाती है ।

डोनर–विजिल सॉफ्टवेयर में यूनिफार्म प्रारूप अर्थात प्रतिकूल रक्त दाता प्रतिक्रिया रिपोर्टिंग फॉर्म दिया गया है। अभी तक 1333 रक्त केन्द्रों ने एचवीपीआई के अंतर्गत अपना नामांकन किया है और रक्तदाता प्रतिक्रियाओं से संबंधित 38800 रिपोर्टें प्रस्तुत की गई हैं। तदनुसार हितधारकों के लिए समय–समय पर अनुशंसाएं तथा डेटा विश्लेषण रिपोर्टें प्रकाशित की जाती हैं। इस तरह की जानकारी लागू नीतियों में आवश्यक परिवर्तन करने, मानकों, प्रणाली, प्रक्रियाओं में सुधार करने और दिशानिर्देश तैयार करने में सहायता की कुंजी है।

रक्तदान से संबंधित जटिलताओं की परिभाषाओं को इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ ब्लड ट्रांसफ्यूजन द्वारा इंटरनेशनल हीमोविजिलेंस नेटवर्क और अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ ब्लड बैंक्स (एएबीबी) के सहयोग से रक्त दान से संबंधित जटिलताओं की निगरानी के लिए तैयार किए गए मानक से लिया गया था।

एनबीडीवीपी पर पहली रिपोर्ट "भारत का राष्ट्रीय रक्त दाता सतर्कता कार्यक्रमः कार्यान्वयन के शुरुआती 2 वर्षों (2016 और 2017) के दौरान रिपोर्ट किए गए दाता प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं का विश्लेषण" विषय पर एशियन जर्नल ऑफ ट्रांसफ्यूजन साइंस इश्यू वॉल्यूम 15, अंक–1, जनवरी–जून 2021 में प्रकाशित हुई थी। इस रिपोर्ट में निष्कर्षों के अलावा रक्त दान पद्धतियों में सुधार के लिए सिफारिशें भी शामिल की गई हैं।

दाता प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं के विश्लेषण की मुख्य विशेषताएं: रिपोर्ट 2016–2017

- डोनर–विजिल सॉफ्टवेयर द्वारा पूरे रक्त और एफेरेसिस प्रक्रिया दोनों के माध्यम से रक्त दाता प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं (डीएआर) संबंधी डेटा एकत्र किया गया था।
- कैप्चर किया गया डेटा केवल एलोजेनिक दान के लिए था।
- डेटा पैरामीटर दो भागों में एकत्र किए गए थे, (1) न्यूमरेटर जो डीएआर के विभिन्न पैरामीटर हैं, (2) डिनोमिनेटर्स जिसमें दान की कुल संख्या, पुरुष और महिला दाता, पहली बार रक्तदान करने वाले और एक अधिक बार रक्तदान करने वाले डोनर्स और उपयोग किए गए रक्त बैग के प्रकार शामिल थे।
- डीएआर को स्थानीयकृत, सामान्यीकृत और एफेरेसिस से संबंधित प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं के रूप में वर्गीकृत किया गया था

दाता प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं की घटनाओं को कम करने के लिए सिफारिशें

- अधिकांश प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं को युवा आयु वर्ग और पहली बार रक्तदान करने वाले डोनर्स में देखा गया। रक्त दाताओं (पूर्व दान चरण) में चिंता को कम करने के साथ–साथ रक्त दान से पहले पानी का सेवन बढ़ाकर डीएआर को नियंत्रित किया जा सकता है।

- हेमेटोमा स्थानीयकृत प्रतिकूल प्रतिक्रिया की संख्या अधिकतम थी, जिसे डोनर की वीन के उचित चयन और नए कर्मचारियों को फ्लेबोटोमी प्रक्रिया के बारे में प्रशिक्षण देकर रोका जा सकता है।
- रक्त दान करने के बाद 30 मिनट के भीतर डीएआर की अधिकतम संख्या रिपोर्ट की गई थी, इसलिए रक्त दान के बाद आराम करने के समय में वृद्धि और कम से कम 30 मिनट के लिए रक्त दाता पर सतर्कता रखने के माध्यम से गंभीर प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं को रोका जा सकता है।
- कुछ बहु प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं की रिपोर्ट की गई थी, पहली प्रतिक्रिया की प्रारंभिक पहचान उस डोनर में सकेंडरी प्रतिक्रिया को रोकने में मदद कर सकती है।

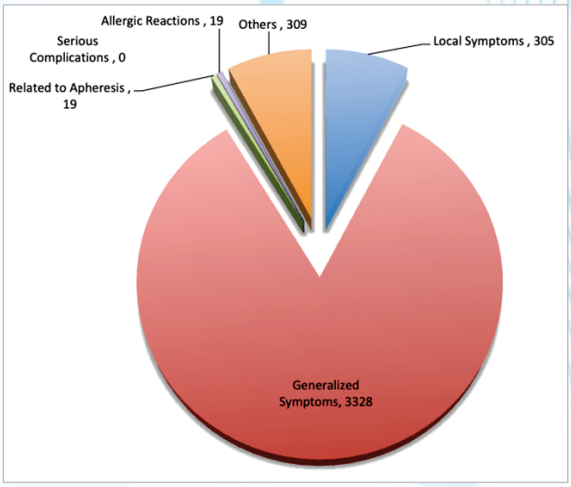

Distribution of all the total validated donor adverse reaction reports (n=3,980)

एनबीडीवीपी को डीएआर की रिपोर्टिंग करने संबंधी व्यवस्था में सुधार करने हेतु सिफारिशें:

- रक्त केंद्र / ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग(रक्त केंद्रों की भागीदारी में वृद्धि; डीएआर की सही पहचान और रिपोर्टिंग के बारे में कर्मचारियों को प्रशिक्षण देना; रक्त दाताओं को तत्काल और विलंबित डीएआर रिपोर्ट करने के लिए प्रेरित करना; डोनर का वेलनेस सुनिश्चित करने के लिए उसके साथ फोलो अप करना ।
- ब्लड डोनर आर्गेनाइजेशंस (रक्त दाताओं को सभी तत्काल और विलंबित डीएआर की रिपोर्ट रक्त केंद्रों को देने के लिए प्रोत्साहित करना ।
- केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) – रक्त केंद्रों के लिए नियामक प्राधिकरण (यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं कि रक्त केंद्र सभी डीएआर का दस्तावेजीकरण और रिपोर्ट करें)
- रिपोर्टिंग सॉफ्टवेयर को अपग्रेड करना (प्रतिकूल घटनाओं की बेहतर रिपोर्टिंग और लक्षण वर्णन के लिए सुझावों को फॉर्म में शामिल किया जा सकता है)
- एनबीडीवीपी की विशेषज्ञ समिति रक्त केंद्रों के स्टाफ के लिए नियमित सीएमई के माध्यम से नियमित प्रशिक्षण आयोजित करे और उनके लिए समर्पित प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार करे ।

एनआईबी एचवीपीआई के तहत कार्यक्रम के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए देश भर में सीएमई / कार्यशालाओं का आयोजन करता है। इसके अलावा, एचवीपीआई प्रभाग ने एचवीपीआई के बारे में जानकारी का प्रचार–प्रसार करने के लिए अर्ध–वार्षिक हीमोविजिलेंस न्यूजलेटर प्रकाशित करने के अलावा विभिन्न राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में लेख प्रकाशित किए हैं।

हाल ही में, एनबीडीवीपी द्वारा एक सिवियरिटी ग्रेडिंग टूल(एसजीटी) अध्ययन शुरू किया गया है, जिसका उद्देश्य नए प्रस्तावित सिवियरिटी मूल्यांकन ग्रेडिंग टूल के आधार पर रिपोर्टिंग केंद्रों के बीच डोनर प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं की सिवियरिटी के तालमेल की डिग्री का अध्ययन करना है। इसके अलावा, एनबीडीवीपी के तहत रक्त दाता प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं की रिपोर्ट करने के लिए पहला मार्गदर्शन दस्तावेज 30 जून, 2022 को माननीय राज्य मंत्री, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी किया गया था।

इस कार्यक्रम में डोनर्स की अत्यधिक देखभाल की परिकल्पना की गई है ताकि वे अच्छे व्यवहार और अच्छी देखभाल के प्रति आश्वस्त हो सके, और वे बार–बार सही अंतराल पर रक्त दान कर सकें और अंततः राष्ट्रीय रक्त आपूर्ति सुनिश्चित हो सके।

संदर्भ

1. De Vries RR, Faber J-C, Strengers PF. हीमोविजिलेंस : ट्रांसफ्यूजन पद्धति में सुधार लाने के लिए एक प्रभावी माध्यम। Vox Sanguinis 2011; 100:60e7.
2. बिष्ट ए, मारवाह एन, कौर आर, गुप्ता डी, सिंह एस. भारत का हीमोविजिलेंस कार्यक्रम : जनवरी 2013 से अप्रैल 2016 तक रिपोर्ट की गई ट्रांसफ्यूजन प्रतिक्रियाओं का विश्लेषण और रक्त ट्रांसफ्यूजन के लिए प्रमुख सिफारिशें। Asian J Transfus Sci 2018; 12:1-7.
3. बिष्ट ए, सिंह एस, मारवाह एन. राष्ट्रीय रक्तदाता सतर्कता कार्यक्रमरू भारत। Asian J Transfus Sci 2016; 10:1-2
4. रक्त दान से संबंधित जटिलताओं की निगरानी के लिए मानक, www. isbtweb.org (working parties - >definitions->2014), accessed 10-03-2020.
5. बिष्ट ए, मारवाह एन, अरोड़ा एस, पाटीदार जीके, छाबड़ा आर. भारत का राष्ट्रीय रक्त दाता सतर्कता कार्यक्रमः कार्यान्वयन के शुरुआती 2 वर्षों (2016 और 2017) के दौरान रिपोर्ट की गई दाता प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं का विश्लेषण। Asian J Transfus Sci 2021;15:1-11.

प्रो एस.के.जोशी प्रयोगशाला उत्कृष्टता स्वर्ण पुरस्कार

एनआईबी ने क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया (क्यूसीआई) द्वारा परीक्षण के क्षेत्र में स्थापित किए गए प्रथम प्रोफेसर एस.के. जोशी प्रयोगशाला उत्कृष्टता स्वर्ण पुरस्कार को कई राउंड क्वालीफाई करने के बाद जीतने में सफलता पाई। संस्थान को यह पुरस्कार 06 अक्तूबर, 2022 को प्रदान किया गया। क्यूसीआई द्वारा सितंबर 2021 में शुरू किया गया यह देश का अपनी तरह का पहला प्रयोगशाला उत्कृष्टता पुरस्कार है।

यह पुरस्कार उन प्रयोगशालाओं (परीक्षण, चिकित्सा और कैलिब्रेशन) को सम्मान देने के लिए है जिन्होंने गुणवत्ता सेवाओं के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियां प्राप्त की हैं और अपनी सर्वोत्तम पद्धतियों के लिए अपने क्षेत्र में बेंचमार्क स्थापित किया है। एनआईबी गुणवत्तापूर्ण जैविक स्वास्थ्य प्रणाली तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और परिणामस्वरूप सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य और कल्याण सुनिश्चित करने में प्रधान मंत्री के मिशन को सुदृढ़ बना रहा है।

संविधान दिवस का आयोजन

एनआईबी ने दिनांक 28.11.2022 को भारत के संविधान दिवस के अवसर पर वैज्ञानिक–एफ डॉ. पी.के. अतुल, राष्ट्रीय मलेरिया अनुसंधान संस्थान, आईसीएमआर, दिल्ली का एक व्याख्यान आयोजन किया। उन्होंने हमारे संविधान की प्रमुख विशेषताओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला

कार्यालय का रूटीन कार्य हिंदी में करने के लिए राजभाषा के महत्व और संवैधानिक दायित्व के निर्वाह के प्रति कार्मिकों को जागरूक करने हेतु एनआईबी में दिनांक 30.11.2022 को एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में डॉ. वंदना शर्मा, सहायक निदेशक (राजभाषा), एनआईएमआर, आईसीएमआर, दिल्ली ने राजभाषा के महत्व और राजभाषा नीति के बारे में विस्तार से जानकारी दी ।

स्वैच्छिक रक्तदान, हीमोविजिलेंस और डोनर विजिलेंस पर राष्ट्रीय सम्मेलन और कार्यशाला का आयोजन

राष्ट्रीय जैविक संस्थान(एनआईबी) ने फेडरेशन ऑफ इंडियन ब्लड डोनर्स ऑर्गनाइजेशन (एफआईबीडीओ) के सहयोग से 17 से 19 नवंबर 2022 तक एनआईबी, नोएडा में ब्लडकॉन–2022, राष्ट्रीय सम्मेलन और कार्यशाला का आयोजन किया। इस सम्मेलन का उद्घाटन श्री सोम प्रकाश, माननीय राज्य मंत्री, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया गया था। माननीय मंत्री जी ने सम्मेलन के दौरान एनआईबी द्वारा "गुड ब्लड ट्रांसफ्यूजन प्रैक्टिसेज – ब्लड के तर्कसंगत उपयोग के लिए मार्गदर्शन" पर तैयार की गई पुस्तक का विमोचन किया। उक्त सम्मेलन में लगभग 80 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

जेंडर जागरूकता और पॉश अधिनियम पर प्रशिक्षण

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा चलाए गए एक विशेष अभियान के हिस्से के रूप में, एनआईबी ने दिनांक 21.12.2022 को जेंडर जागरूकता और पॉश (यौन उत्पीड़न से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2013) अधिनियम पर प्रशिक्षण का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में डॉ. मानसी मिश्रा, हेड, रिसर्च एंड नॉलेज मैनेजर, सीएसआर, इंडिया को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था और उन्होंने अधिनियम के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

तकनीकी विशेषज्ञ समिति की बैठकें:

रिकाम्बिनेन्ट उत्पाद प्रयोगशाला ने दिनांक 19.10.2022 को "पेगफिलग्रैस्टिम आईपी 2018 मोनोग्राफ और पेगफिलग्रेस्टिम इंजेक्शन ड्राफ्ट मोनोग्राफ में प्रस्तावित संशोधन पर चर्चा के लिए हितधारकों की बैठक" विषय पर एक वैज्ञानिक चर्चा का आयोजन किया। इस बैठक में हितधारकों, भारतीय फार्माकोपिया आयोग (आईपीसी) के प्रतिनिधियों और एनआईबी वैज्ञानिकों ने भाग लिया।

•डॉ. सुरेश कुमार, वैज्ञानिक ग्रेड–III (पशु चिकित्सक) को 2 नवंबर 2022 को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी, नई दिल्ली में अनुसंधान प्रोटोकॉल की समीक्षा करने के लिए बाहरी संस्थान सीपीसीएसईए सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया ।

- एंजाइम और हार्मोन प्रयोगशाला ने आईपी के अनुसार फॉलिकल–स्टिम्युलेटिंग हार्मोन (rFSH) इंजेक्शन के गुणवत्ता नियंत्रण परीक्षण और विभिन्न संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने के लिए सीडीएससीओ, आईपीसी और उद्योग के प्रतिनिधियों के साथ एनआईबी में दिनांक 3.11.2022 को एक वैज्ञानिक बैठक आयोजित की गई ।
- डॉ. गौरी मिश्रा, वैज्ञानिक ग्रेड–II एवं प्रमुख सीकेटीएल ने सिम्बायोसिस इंटरनेशनल (डीम्ड यूनिवर्सिटी) पुणे में 3–5 नवंबर 2022 तक आयोजित "स्वास्थ्य और जैव चिकित्सा विज्ञान में अनुसंधान पर राष्ट्रीय सम्मेलन" में भाग लिया।
- डॉ. शिखा यादव, वैज्ञानिक ग्रेड–I (पशु चिकित्सक) एवं विवो बायोएसे प्रयोगशाला और पशु सुविधा प्रमुख ने दिनांक 28.11.2022 को भारतीय फार्माकोपिया आयोग (आईपीसी), गाजियाबाद द्वारा पशु पद्धतियों के विकल्प के लिए आयोजित दूसरी विशेषज्ञ कार्य समूह की बैठक में एक विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में भाग लिया।
- डॉ. गौरी मिश्रा, वैज्ञानिक ग्रेड–II एवं सीकेटीएल प्रमुख ने एनआईवी–पुणे में 14–16 दिसंबर 2022 को डेंगू सीरोटाइप और कोविड–19 पैनल से संबंधित नमूना संग्रह के बारे में चर्चा करने के लिए आयोजित एक तकनीकी विशेषज्ञ बैठक में भाग लिया।

आमंत्रित चर्चा / व्याख्यान

- डॉ. गौरी मिश्रा, वैज्ञानिक ग्रेड–II एवं सीकेटीएल प्रमुख ने दिनांक 12.10.2022 को मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया में वर्चुअल मोड में आयाजित 38 वीं एनआरएल कार्यशाला में "जैविक उद्योग में गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली" पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. शिखा यादव, वैज्ञानिक ग्रेड–1 (पशु चिकित्सक) एवं विवो बायोएसे प्रयोगशाला और पशु सुविधा प्रमुख को श्री चित्रा तिरुनल इंस्टीट्यूट फॉर मेडिकल साइंस एंड टेक्नोलॉजी, तिरुवनंतपुरम, केरल में दिनांक 14.11.2022 को "प्रीक्लिनिकल रिसर्च में नैतिकता और कल्याण (डीईडब्ल्यू –2022) को परिभाषित करने" पर आयोजित सम्मेलन में

"गंभीरता मूल्यांकन–प्रयोगशाला जानवरों से जुड़े प्रयोगों में रिफाइनमेंट को लागू करने के लिए एक व्यावहारिक दृष्टिकोण" विषय पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया तथा उन्होंने 15 नवंबर 2022 को "बी–फॉर्म तैयार करना और आईएईसी का संचालन" विषय पर आयोजित कार्यशाला की अध्यक्षता की।

- डॉ. गौरी मिश्रा, वैज्ञानिक–II एवं सीकेटीएल प्रमुख ने 19–20 नवंबर 2022 तक बेंगलुरु, कर्नाटक में आयोजित 7 वीं विश्व कैंसर कांग्रेस–2022 के अवसर पर बैंगलोर हेल्थ केयर समिट–2022 में स्पीकर और समीक्षक के रूप में आमंत्रित किया गया ।

डॉ. शिखा यादव, वैज्ञानिक ग्रेड–1 (पशु चिकित्सक) एवं विवो बायोएसे प्रयोगशाला और पशु सुविधा प्रमुख ने दिनांक 30.11.2022 को नेशनल सेंटर फॉर बायोलॉजिकल साइंसेज (एनसीबीएस), टीआईएफआर, बेंगलुरु द्वारा आयोजित "प्रयोगशाला माइस और रैट्स की बुनियादी जैव–पद्धति" पर आयोजित कार्यशाला में "प्रयोगशाला पशु प्रायोगिक डिजाइनिंग में 3आर–अवधारणा" पर एक वैज्ञानिक व्याख्यान दिया ।

प्रशिक्षण, कार्यशालाएं और दौरे:

- एनआईबी ने 14 अक्टूबर 2022 को आईआईपीएच (भारतीय जन स्वास्थ्य संस्थान), दिल्ली (पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया) के 02 फैकल्टी सदस्यों तथा 07 एम.एससी. क्लिनिकल रिसर्च छात्रों के लिए प्रयोगशाला दौरे की मेजबानी की। छात्रों को एनआईबी के बारे में बुनियादी जानकारी दी गई, छात्रों ने विभिन्न प्रयोगशालाओं का दौरा किया और संबंधित वैज्ञानिकों के साथ बातचीत की ।

- फेडरेशन ऑफ इंडियन ब्लड डोनर्स ऑर्गेनाइजेशन (एफआईबीडीओ) के सहयोग से 17 से 19 नवंबर 2022 तक एनआईबी में आयोजित ब्लोडकॉन–2022 राष्ट्रीय सम्मेलन और कार्यशाला के 80 प्रतिनिधियों ने 18.11.2022 को रक्त रीएजेंट प्रयोगशाला और इम्यूनोडायग्नोस्टिक किट प्रयोगशाला का दौरा किया ।
- पॉपुलर फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड, बांग्लादेश के सदस्यों की एक टीम ने रोटावायरस वैक्सीन और उनके द्वारा निर्मित अन्य टीकों के गुणवत्ता नियंत्रण परीक्षण के बारे में चर्चा करने और तकनीकी सहायता के लिए दिनांक 01.12.22 को वैक्सीन और एंटीसेरा प्रयोगशाला, एनआईबी का दौरा किया।
- हेल्थकेयर फार्मास्युटिकल, बांग्लादेश के सदस्यों की एक टीम ने उनके द्वारा निर्मित विभिन्न टीकों के गुणवत्ता नियंत्रण परीक्षण के संबंध में चर्चा करने और तकनीकी सहायता के लिए दिनांक 02.12.22 को वैक्सीन और एंटीसेरा प्रयोगशाला, एनआईबी का दौरा किया।
- श्री अनूप कुमार, कनिष्ठ वैज्ञानिक, रक्त उत्पाद प्रयोगशाला ने "बायोफार्मास्युटिकल टेक्नोलॉजी कोर्स इवेंट के लिए उत्कृष्टता केंद्र" विषय पर 13–15 दिसंबर 2022 तक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), दिल्ली में आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।

- एनआईबी ने प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के अनुरूप "राष्ट्रीय कौशल विकास और हैंड्स–ऑन प्रशिक्षण कार्यक्रम" के तहत, 05–16 दिसंबर 2022 तक मणिपुर विश्वविद्यालय, कांचीपुर, इम्फाल (मणिपुर) के पोस्ट–ग्रेजुएट जैव प्रौद्योगिकी के 21 छात्रों और 01 फैकल्टी सदस्य के लिए जैविकों के गुणवत्ता नियंत्रण पर दो सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

- एनआईबी ने 19–23 दिसंबर 2022 तक विभिन्न संस्थानों के 20 प्रतिभागियों को प्रयोगशाला जानवरों के नैतिक उपयोग और देखभाल और नियामक परीक्षण पर 5 दिवसीय संरचित(स्ट्रक्चर्ड) प्रशिक्षण प्रदान किया ।

- एनआईबी ने 26–30 दिसंबर 2022 तक मानव इंसुलिन की पहचान और शक्ति परीक्षण के लिए आरपी–एचपीएलसी के एप्लीकेशन पर 5 दिवसीय संरचित प्रशिक्षण प्रदान किया ।

प्रकाशन

- कुमार एस, राज वीएस, अहमद ए, सैनी वी. एमोक्सिसिलिन चूहों में अल्पकालिक उच्च वसा वाले आहार–प्रेरित पैथोफिजियोलॉजी में सुधार करने के लिए आंत माइक्रोबायोटा को नियंत्रित करता है। Gut Pathog. 2022 Oct 13; 14(1):40. doi: 10.1186/s13099-022-00513-0. PMID: 36229889; PMCID: PMC9563906 (Impact factor 5.324).
- शिखा यादव, बिलाल यूआर रहमान, मोहम्मद अहमद खान और विजय पाल सिंह (2022). चूहों की आंत, हृदय और स्प्लीन पर गाय के दूध में ए1 ए1 और ए2 ए2 कैसिइन का प्रभाव। एक्टा वैज्ञानिक पशु चिकित्सा विज्ञान 4.11 (2022):117–119.
- कुमार, एस., पेरुमल, एन., यादव, पी.के., पांडे, आर.पी., चांग, सी.एम., और राज, वी.एस. (2022)। चूहों में अल्पकालिक उच्च नमक आहार द्वारा प्रेरित पैथोफिजियोलॉजी पर एमोक्सिसिलिन प्रभाव। वैज्ञानिक रिपोर्ट, 12(1), 19351. https://doi.org/10.1038/s41598-022-21270-9 (Impact Factor 5.516).
- डॉ. गौरी मिश्रा, डॉ. संध्या होरा, संजना गिनवाल, नीरज सिंहय "सार्स–सीओवी–2 वेरिएंट की सिग्नलिंग 3 पाथवे पर प्रभाव गंभीरता में बदल जाता है"– ब्राजील के जीव विज्ञान और प्रौद्योगिकी अभिलेखागार में प्रकाशन के लिए स्वीकार किया गया एक समीक्षा पत्र।
- मिश्रा एनएन, शर्मा ए, शालिनी एस, शर्मा एस, जैन पी, शर्मा आरके, चंद्र एच, प्रसाद जेपी, अन्वीकर एआर, चांद एस। भारत में रिटुक्सिमैब बायोसिमिलर की गुणवत्ता का राष्ट्रीय नियंत्रण प्रयोगशाला मूल्यांकन। मोनोक्लोन एंटीब इम्यूनोडायग्न इम्यूनोथेर। 2022 Oct; 41(5):260-274. doi: 10.1089/mab.2021.0066. PMID: 36306517.
- वाई मधु, आस्था कौशिक, सांची गोयल, मीना कुमारी', यशोधरा, स्वाति शर्मा, हरीश चंद्र और अनूपकुमार आर. अन्वीकर। मानव एल्बुमिन तैयार करने हेतु गुणवत्ता नियंत्रण परीक्षण के लिए एसडीएस–पीएजीई का मूल्यांकन– एसडीएस– पीएजीई और हॉरिजैनटल जोन इलेक्ट्रोफोरेसिस के बीच एक तुलनात्मक अध्ययन। आईओएसआर जर्नल ऑफ फार्मेसी एंड बायोलॉजिकल साइंसेज (IOSR-JPBS) e-ISSN: 2278-3008, p-ISSN: 2319-7676. Volume 17, Issue 6 Ser. II (Nov. – Dec. 2022), PP 08-17 www.Iosrjournals.Org.
- सुभाष चंद, विक्रांत मेहता, रत्नेश के. शर्मा, अनूपकुमार आर. अन्वीकर, हरीश चंद्र । कैंसर सूचना विज्ञान विश्लेषण स्तन कैंसर में प्रतिकूल रोग निदान से जुड़े उच्च सीएचएसी 2 को इंगित करता है। Frontiers in Oncology. 2022; 6947.

अभिस्वीकृति / आभार

समाचार पत्रक, संपादकीय टीम एनआईबी के सभी स्टाफ सदस्यों का उनके योगदान के लिए आभार व्यक्त करती है।

राष्ट्रीय जैविक संस्थान
ए–32, सैक्टर–62, नोएडा–201309, उत्तर प्रदेश
एनआईबी वेबसाइट: http://nib.gov.in, ईमेल: info@nib.gov.in
दूरभाष: 0120-2400072, 2400022, फैक्स: 0120-2403014

इस समाचार पत्रक से संबंधित किसी सूचना / सुझाव / पूछताछ के लिए कृपया संपर्क करें। डॉ मंजुला किरण, सह–संपादक, ईमेल: mkiran@nib.gov.in कृपया संस्करण की बेहतरी के लिए निःसंकोच होकर अपने बहुमूल्य विचार और प्रतिक्रिया से अवगत कराएं। हम आपके विचार जानने के लिए तत्पर हैं!!!

Designed & Printed by : www.censer.in (Ph) 9810213218